



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN21368	ImageGroup:	I3CN21379
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། gsung 'bum/ tA ra nA tha/
Author:	ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། tA ra nA tha
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	10
Total Volumes:	17
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2019

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथर्ववेदः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১১৭৭

24521



91

འདྲ་བར་ཁོ་པེ་ཆིག་པོ་སྒྱུ་བ་ཐང་ལ་མཛོད་གསུམ་འདྲུལ་བྱེད་ཅེས་ཐུག་པ་ལྟར།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

呻吟語

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

४ अथवा अथवा अथवा अथवा

[illegible]

[illegible]

[illegible]



सप्तमः अध्यायः

[illegible]

[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]



2000

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीअर्जुन उवाच ॥ द्रुपदः पाण्डवस्य शिष्यः ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

459

འཕྲུལ་པུ་འཕྲུལ་པུ་འཕྲུལ་པུ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1954

सर्वविघ्नहर्त्राय नमः

५३। ॥ यद्वा विषयवत्तु तत्र भवति तत्रैव यद्वा यद्वा

सुखदुःखसंज्ञायाः प्रमाणं तद्वैयर्थ्यं च तद्वैयर्थ्यात् तद्वैयर्थ्यात् तद्वैयर्थ्यात्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पञ्चमः अथ चतुर्थः अथ तृतीयः अथ द्वितीयः अथ प्रथमः

॥ अथ चतुर्थः सर्गः ॥

1885

सुखदुःखवद्वयम्

५३०५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

卷之四
 四庫全書

॥ विष्णुसहस्रनाम ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ अथ श्रीगणेशस्तोत्रम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Case

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.)

594

॥ अथ पंचदशस्कन्धः ॥

गङ्गा नदी

॥ अथ भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं ॥

ALBERTA

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

五

[illegible]

[illegible]

24

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

四庫全書

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuous passage of handwritten text in Devanagari script.)

25

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

五十六

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ २ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ ३ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ ४ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ ५ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ ६ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ ७ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ ८ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ ९ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १० ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ ११ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १२ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १३ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १४ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १५ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १६ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १७ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १८ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ १९ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २० ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २१ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २२ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २३ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २४ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २५ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २६ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २७ ॥
कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २८ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ २९ ॥ कुरुक्षेत्रे युधामन्यु उवाच ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुप्रसन्न

[illegible]

[illegible]

[illegible]

陽春

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain multiple lines of handwritten or printed script in Devanagari.)

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

༡༩

འཕགས་པ་ཀྱི་ཆོས་འཕྲོ་ལ་དུས་ཕྱི་དེས་ཐུག་པ་ལྟེན་པ་ལོ།



[illegible]

卷之四

[illegible][illegible][illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 धनुर्धरं शरैश्च पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 अर्जुनं द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥
 समानां च पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥ २ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥ ३ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥ ४ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥ ५ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥ ६ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥ ७ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥ ८ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥ ९ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपदं भीमार्जुनं तथा ॥ १० ॥

(Faint handwritten notes at the bottom of the page)

इन्द्रधनुर्विद्या

[illegible]

[illegible]

2. 11. 1954

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सर्वद्वन्द्वविनाशकं चैकैव हि द्वन्द्वं यत्तु विनाशमन्येयं चैकैव च परमं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ਅੰਗਰਾਜ਼ਾਂ ਦੇ ਹੱਥ ਦਸ਼ਮ ਪੈਦਰ ਪੈਦਰ

2387

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

552559

गुरुद्वयः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

商標及商號

... १२५५ ...

रुद्राक्षमणि

॥ कर्म ॥

श्रीगुरुभ्यो नमः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

विश्वविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय

2000

品類別名：五加皮酒

2301 255-12 89/10/2 12/2 85/10/

1947年9月10日

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]



25-154

[illegible]

44

[illegible]

१२ अक्षरसंज्ञा

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurriness and low contrast. It appears to consist of multiple lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

卷之四

[illegible]

40

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

पञ्चमः अध्यायः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥

[illegible]

१८६३

[illegible]



98905

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]



五、

[illegible]

卷之四

[illegible]

75

[illegible]

वर्ष १९७७-७८

[illegible]



॥ ईश्वरदेव ॥

विष्णुः कुरुक्षेत्रे द्रुपदं वारुणात्तदासीत्

सुखदुःखव्ययनिष्ठमिदम्।

इन्द्राक्षरस्य दशमः अक्षरः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

51

देवस्य सादेव नैश्वर्यं वीरश्रेष्ठ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ପ୍ରତିଷ୍ଠାପନା

[illegible]

॥ अथ श्रुत्वा ॥ ५५ ॥

16

[illegible]

५३०

कनवी दिवस पत्रिका

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1951

FFC

1594
TRUFFE

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सप्तमः अङ्कः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



2055

महाराष्ट्र राज्य सरकार
मुंबई, महाराष्ट्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1992年12月22日

पु. वि. सं. पु. वि. सं.

20

सर्वज्ञः सर्वशक्तिः सर्वशक्तिः सर्वशक्तिः

4875519551 48758292

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

20



पुनः हि विषयः न दृष्टव्यः।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

১৯৭৫/৭৬ ১৫০০/১৬০০

2000

附

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

श्रीदत्तं कुरु कुरु यो मेव कुरु तुल्यं कुरु ।

यत्तद्विदुःसर्वे

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

12. 12. 1921

三、四、五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

सत्यमेव जयते ॥ १ ॥

137

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698 2699 2700 2701 2702 2703 2704 2705 2706 2707 2708 2709 2710 2711 2712 2713 2714 2715 2716 2717 2718 2719 2720 2721 2722 2723 2724 2725 2726 2727 2728 2729 2730 2731 2732 2733 2734 2735 2736 2737 2738 2739 2740 2741 2742 2743 2744 2745 2746 2747 2748 2749 2750 2751 2752 2753 2754 2755 2756 2757 2758 2759 2760 2761 2762 2763 2764 2765 2766 2767 2768 2769 2770 2771 2772 2773 2774 2775 2776 2777 2778 2779 2780 2781 2782 2783 2784 2785 2786 2787 2788 2789 2790 2791 2792 2793 2794 2795 2796 2797 2798 2799 2800 2801 2802 2803 2804 2805 2806 2807 2808 2809 2810 2811 2812 2813 2814 2815 2816 2817 2818

[illegible]

मन्त्रः सुदुर्लभः सुदुर्लभः सुदुर्लभः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ अथ भगवत्पुत्रोद्धारः ॥
 ॥ अथ भगवत्पुत्रोद्धारः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044

22. 60
 23. 60
 24. 60
 25. 60
 26. 60
 27. 60
 28. 60
 29. 60
 30. 60
 31. 60
 32. 60
 33. 60
 34. 60
 35. 60
 36. 60
 37. 60
 38. 60
 39. 60
 40. 60
 41. 60
 42. 60
 43. 60
 44. 60
 45. 60
 46. 60
 47. 60
 48. 60
 49. 60
 50. 60
 51. 60
 52. 60
 53. 60
 54. 60
 55. 60
 56. 60
 57. 60
 58. 60
 59. 60
 60. 60
 61. 60
 62. 60
 63. 60
 64. 60
 65. 60
 66. 60
 67. 60
 68. 60
 69. 60
 70. 60
 71. 60
 72. 60
 73. 60
 74. 60
 75. 60
 76. 60
 77. 60
 78. 60
 79. 60
 80. 60
 81. 60
 82. 60
 83. 60
 84. 60
 85. 60
 86. 60
 87. 60
 88. 60
 89. 60
 90. 60
 91. 60
 92. 60
 93. 60
 94. 60
 95. 60
 96. 60
 97. 60
 98. 60
 99. 60
 100. 60

विदुष्विदमव्यक्तं यत्तद्वाच्यम् ।

॥ श्रीदत्तात्रेयस्वामी नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

東坡先生集

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[illegible]



3

[illegible]

100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

संस्कृत-विश्वविद्यालय, काशी

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

19

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

2025-01-15

[illegible]

1295 345451

Y. Y. Y.

विद्यया ऽपि सुखं

[illegible]

[illegible]

१९९१
लेखक

॥ गङ्गापर्वण्यविर्गदपदः ॥
॥ उद्यमः पदः पदः पदः पदः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

निगलनसुखातीसुचक्रपेदकनिगलनसुखामरुचुचक्रपेदक-



॥ श्री गणेशाय नमः ॥

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular box, likely a list or inventory. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The first line appears to be a header or title, followed by several lines of descriptive text. The text is somewhat faded and difficult to read.

Handwritten text, possibly a signature or a date, located to the right of the main text block.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

555

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

1917

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

201

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

37

श्री ७ २०७

1. 1. 1.

महाराष्ट्र

॥ एतच्च नमस्तुभ्यं देवदेवि त्रिपुरारि त्रिपुरासुत त्रिपुरासुत त्रिपुरासुत ॥

॥ १ ॥

॥ १ ॥

॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुपुत्र उवाच ।
 द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच । इति मे संज्ञितं पश्य त्वं महाशूराः । सद्यस्मात्संगमनाः प्रवृत्ताः ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । इति मे संज्ञितं पश्य त्वं महाशूराः । सद्यस्मात्संगमनाः प्रवृत्ताः ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । इति मे संज्ञितं पश्य त्वं महाशूराः । सद्यस्मात्संगमनाः प्रवृत्ताः ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । इति मे संज्ञितं पश्य त्वं महाशूराः । सद्यस्मात्संगमनाः प्रवृत्ताः ॥ ५ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । इति मे संज्ञितं पश्य त्वं महाशूराः । सद्यस्मात्संगमनाः प्रवृत्ताः ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । इति मे संज्ञितं पश्य त्वं महाशूराः । सद्यस्मात्संगमनाः प्रवृत्ताः ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । इति मे संज्ञितं पश्य त्वं महाशूराः । सद्यस्मात्संगमनाः प्रवृत्ताः ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । इति मे संज्ञितं पश्य त्वं महाशूराः । सद्यस्मात्संगमनाः प्रवृत्ताः ॥ ९ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । इति मे संज्ञितं पश्य त्वं महाशूराः । सद्यस्मात्संगमनाः प्रवृत्ताः ॥ १० ॥

[illegible]

(The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blur and low contrast.)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
मुहूर्तमेव त्वं योध्या युध्यमानस्तथा ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
काशिराजैश्च समावृतः पाण्डवप्रपन्नैः ॥ आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुनम् ॥
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे मुहूर्तमेव ॥ त्वं योध्या युध्यमानस्तथा ॥
काशिराजैश्च समावृतः पाण्डवप्रपन्नैः ॥ आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुनम् ॥
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे मुहूर्तमेव ॥ त्वं योध्या युध्यमानस्तथा ॥
काशिराजैश्च समावृतः पाण्डवप्रपन्नैः ॥ आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुनम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

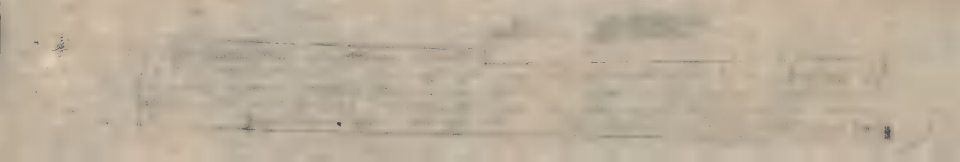
[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit text found in the other blocks.]

[illegible]

[illegible]



ॐ शुभमस्तु नमो भगवते वासुदेवाय

۱۲۲

अथवा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

291

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

卷之四

मन्त्रेति विदितं यत्तु पञ्चमः त्रैलोक्यप्रसिद्धः । इत्युक्तं श्रीगुरुदेवस्य उवाच ॥ दत्तं तु भक्त्या नृणां रीतिरिति सुकर्मैरनुभूयमानं यथाशक्तं कर्तव्यम् ॥
 एतच्छ्रुत्वा देवस्य प्रसीदन्निहोषितः ॥ इत्युक्त्वान्नन्दः शिरसां च स्पर्धितः ॥ सविस्तरं वक्ष्यामि ते सर्वं परमार्थं ॥ अथ ब्रूयाच्चन्द्रः ॥
 मन्त्रपदं यथाप्येषां शक्तिरुक्तं पञ्चाङ्गं यत्तु हि ॥ इति ह्येतद्दर्शनं यत्तु हि ॥ अथ ब्रूयाच्चन्द्रः ॥ इत्युक्तं श्रीगुरुदेवस्य उवाच ॥
 विष्णुर्ब्रह्मा मातृ पौत्रास्तु विष्णुर्ब्रह्मा मातृ पौत्रास्तु ॥ इत्युक्तं श्रीगुरुदेवस्य उवाच ॥ इत्युक्तं श्रीगुरुदेवस्य उवाच ॥
 पदं यथाप्येषां शक्तिरुक्तं पञ्चाङ्गं यत्तु हि ॥ इति ह्येतद्दर्शनं यत्तु हि ॥ अथ ब्रूयाच्चन्द्रः ॥ इत्युक्तं श्रीगुरुदेवस्य उवाच ॥
 एतच्छ्रुत्वा देवस्य प्रसीदन्निहोषितः ॥ इत्युक्त्वान्नन्दः शिरसां च स्पर्धितः ॥ सविस्तरं वक्ष्यामि ते सर्वं परमार्थं ॥ अथ ब्रूयाच्चन्द्रः ॥

1997

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



10

500

ལོ་རྒྱུས་ཀྱི་འཕེལ་བྱུང་།

[illegible]

མཐོང་བའི་དུས་ཀྱི་རྒྱལ་ཁབ་ཀྱི་གནས་ཚུལ་

५३॥

॥ अथ ॥ दण्डाचार्यगणेशदेवकृतसंस्कृतसिद्धिः ॥

॥ यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

০৭৫৪৩৫৫১

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ལྷན་གཤེད་ཆེན་མཆོད་པོ་ནི།

03/03/2015

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सुदृढा सुदृढा

॥ इति श्री कृष्णार्जुनसंवादे श्री कृष्ण उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

3/25/1951

[illegible]

पञ्चमस्य तु सुदक्षः

QATQQA

25

2015

21/5/21

99354

181804515704

[illegible]

17. 1990. 1991. 1992. 1993. 1994. 1995. 1996. 1997. 1998. 1999. 2000. 2001. 2002. 2003. 2004. 2005. 2006. 2007. 2008. 2009. 2010. 2011. 2012. 2013. 2014. 2015. 2016. 2017. 2018. 2019. 2020. 2021. 2022. 2023. 2024. 2025. 2026. 2027. 2028. 2029. 2030. 2031. 2032. 2033. 2034. 2035. 2036. 2037. 2038. 2039. 2040. 2041. 2042. 2043. 2044. 2045. 2046. 2047. 2048. 2049. 2050. 2051. 2052. 2053. 2054. 2055. 2056. 2057. 2058. 2059. 2060. 2061. 2062. 2063. 2064. 2065. 2066. 2067. 2068. 2069. 2070. 2071. 2072. 2073. 2074. 2075. 2076. 2077. 2078. 2079. 2080. 2081. 2082. 2083. 2084. 2085. 2086. 2087. 2088. 2089. 2090. 2091. 2092. 2093. 2094. 2095. 2096. 2097. 2098. 2099. 2100. 2101. 2102. 2103. 2104. 2105. 2106. 2107. 2108. 2109. 2110. 2111. 2112. 2113. 2114. 2115. 2116. 2117. 2118. 2119. 2120. 2121. 2122. 2123. 2124. 2125. 2126. 2127. 2128. 2129. 2130. 2131. 2132. 2133. 2134. 2135. 2136. 2137. 2138. 2139. 2140. 2141. 2142. 2143. 2144. 2145. 2146. 2147. 2148. 2149. 2150. 2151. 2152. 2153. 2154. 2155. 2156. 2157. 2158. 2159. 2160. 2161. 2162. 2163. 2164. 2165. 2166. 2167. 2168. 2169. 2170. 2171. 2172. 2173. 2174. 2175. 2176. 2177. 2178. 2179. 2180. 2181. 2182. 2183. 2184. 2185. 2186. 2187. 2188. 2189. 2190. 2191. 2192. 2193. 2194. 2195. 2196. 2197. 2198. 2199. 2200. 2201. 2202. 2203. 2204. 2205. 2206. 2207. 2208. 2209. 2210. 2211. 2212. 2213. 2214. 2215. 2216. 2217. 2218. 2219. 2220. 2221. 2222. 2223. 2224. 2225. 2226. 2227. 2228. 2229. 2230. 2231. 2232. 2233. 2234. 2235. 2236. 2237. 2238. 2239. 2240. 2241. 2242. 2243. 2244. 2245. 2246. 2247. 2248. 2249. 2250. 2251. 2252. 2253. 2254. 2255. 2256. 2257. 2258. 2259. 2260. 2261. 2262. 2263. 2264. 2265. 2266. 2267. 2268. 2269. 2270. 2271. 2272. 2273. 2274. 2275. 2276. 2277. 2278. 2279. 2280. 2281. 2282. 2283. 2284. 2285. 2286. 2287. 2288. 2289. 2290. 2291. 2292. 2293. 2294. 2295. 2296. 2297. 2298. 2299. 2300. 2301. 2302. 2303. 2304. 2305. 2306. 2307. 2308. 2309. 2310. 2311. 2312. 2313. 2314. 2315. 2316. 2317. 2318. 2319. 2320. 2321. 2322. 2323. 2324. 2325. 2326. 2327. 2328. 2329. 2330. 2331. 2332. 2333. 2334. 2335. 2336. 2337. 2338. 2339. 2340. 2341. 2342. 2343. 2344. 2345. 2346. 2347. 2348. 2349. 2350. 2351. 2352. 2353. 2354. 2355. 2356. 2357. 2358. 2359. 2360. 2361. 2362. 2363. 2364. 2365. 2366. 2367. 2368. 2369. 2370. 2371. 2372. 2373. 2374. 2375. 2376. 2377. 2378. 2379. 2380. 2381. 2382. 2383. 2384. 2385. 2386. 2387. 2388. 2389. 2390. 2391. 2392. 2393. 2394. 2395. 2396. 2397. 2398. 2399. 2400. 2401. 2402. 2403. 2404. 2405. 2406. 2407. 2408. 2409. 2410. 2411. 2412. 2413. 2414. 2415. 2416. 2417. 2418. 2419. 2420. 2421. 2422. 2423. 2424. 2425. 2426. 2427. 2428. 2429. 2430. 2431. 2432. 2433. 2434. 2435. 2436. 2437. 2438. 2439. 2440. 2441. 2442. 2443. 2444. 2445. 2446. 2447. 2448. 2449. 2450. 2451. 2452. 2453. 2454. 2455. 2456. 2457. 2458. 2459. 2460. 2461. 2462. 2463. 2464. 2465. 2466. 2467. 2468. 2469. 2470. 2471. 2472. 2473. 2474. 2475. 2476. 2477. 2478. 2479. 2480. 2481. 2482. 2483. 2484. 2485. 2486. 2487. 2488. 2489. 2490. 2491. 2492. 2493. 2494. 2495. 2496. 2497. 2498. 2499. 2500. 2501. 2502. 2503. 2504. 2505. 2506. 2507. 2508. 2509. 2510. 2511. 2512. 2513. 2514. 2515. 2516. 2517. 2518. 2519. 2520. 2521. 2522. 2523. 2524. 2525. 2526. 2527. 2528. 2529. 2530. 2531. 2532. 2533. 2534. 2535. 2536. 2537. 2538. 2539. 2540. 2541. 2542. 2543. 2544. 2545. 2546. 2547. 2548. 2549. 2550. 2551. 2552. 2553. 2554. 2555. 2556. 2557. 2558. 2559. 2560. 2561. 2562. 2563. 2564. 2565. 2566. 2567. 2568. 2569. 2570. 2571. 2572. 2573. 2574. 2575. 2576. 2577. 2578. 2579. 2580. 2581. 2582. 2583. 2584. 2585. 2586. 2587. 2588. 2589. 2590. 2591. 2592. 2593. 2594. 2595. 2596. 2597. 2598. 2599. 2600. 2601. 2602. 2603. 2604. 2605. 2606. 2607. 2608. 2609. 2610. 2611. 2612. 2613. 2614. 2615. 2616. 2617. 2618. 2619. 2620. 2621. 2622. 2623. 2624. 2625. 2626. 2627. 2628. 2629. 2630. 2631. 2632. 2633. 2634. 2635. 2636. 2637. 2638. 2639. 2640. 2641. 2642. 2643. 2644. 2645. 2646. 2647. 2648. 2649. 2650. 2651. 2652. 2653. 2654. 2655. 2656. 2657. 2658. 2659. 2660. 2661. 2662. 2663. 2664. 2665. 2666. 2667. 2668. 2669. 2670. 2671

1942

194255 4982

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

॥ १ ॥

| | | | | | | | | | |
|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|---------|
| ॥ १ ॥ | ॥ २ ॥ | ॥ ३ ॥ | ॥ ४ ॥ | ॥ ५ ॥ | ॥ ६ ॥ | ॥ ७ ॥ | ॥ ८ ॥ | ॥ ९ ॥ | ॥ १० ॥ |
| ॥ ११ ॥ | ॥ १२ ॥ | ॥ १३ ॥ | ॥ १४ ॥ | ॥ १५ ॥ | ॥ १६ ॥ | ॥ १७ ॥ | ॥ १८ ॥ | ॥ १९ ॥ | ॥ २० ॥ |
| ॥ २१ ॥ | ॥ २२ ॥ | ॥ २३ ॥ | ॥ २४ ॥ | ॥ २५ ॥ | ॥ २६ ॥ | ॥ २७ ॥ | ॥ २८ ॥ | ॥ २९ ॥ | ॥ ३० ॥ |
| ॥ ३१ ॥ | ॥ ३२ ॥ | ॥ ३३ ॥ | ॥ ३४ ॥ | ॥ ३५ ॥ | ॥ ३६ ॥ | ॥ ३७ ॥ | ॥ ३८ ॥ | ॥ ३९ ॥ | ॥ ४० ॥ |
| ॥ ४१ ॥ | ॥ ४२ ॥ | ॥ ४३ ॥ | ॥ ४४ ॥ | ॥ ४५ ॥ | ॥ ४६ ॥ | ॥ ४७ ॥ | ॥ ४८ ॥ | ॥ ४९ ॥ | ॥ ५० ॥ |
| ॥ ५१ ॥ | ॥ ५२ ॥ | ॥ ५३ ॥ | ॥ ५४ ॥ | ॥ ५५ ॥ | ॥ ५६ ॥ | ॥ ५७ ॥ | ॥ ५८ ॥ | ॥ ५९ ॥ | ॥ ६० ॥ |
| ॥ ६१ ॥ | ॥ ६२ ॥ | ॥ ६३ ॥ | ॥ ६४ ॥ | ॥ ६५ ॥ | ॥ ६६ ॥ | ॥ ६७ ॥ | ॥ ६८ ॥ | ॥ ६९ ॥ | ॥ ७० ॥ |
| ॥ ७१ ॥ | ॥ ७२ ॥ | ॥ ७३ ॥ | ॥ ७४ ॥ | ॥ ७५ ॥ | ॥ ७६ ॥ | ॥ ७७ ॥ | ॥ ७८ ॥ | ॥ ७९ ॥ | ॥ ८० ॥ |
| ॥ ८१ ॥ | ॥ ८२ ॥ | ॥ ८३ ॥ | ॥ ८४ ॥ | ॥ ८५ ॥ | ॥ ८६ ॥ | ॥ ८७ ॥ | ॥ ८८ ॥ | ॥ ८९ ॥ | ॥ ९० ॥ |
| ॥ ९१ ॥ | ॥ ९२ ॥ | ॥ ९३ ॥ | ॥ ९४ ॥ | ॥ ९५ ॥ | ॥ ९६ ॥ | ॥ ९७ ॥ | ॥ ९८ ॥ | ॥ ९९ ॥ | ॥ १०० ॥ |

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

कलंदरदरपदुपरीसुखदरपदीद

कलंदरगिरपुदकोसपदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदर

कलंदरदरपदुपरीसुखदरपदीद

कलंदरगिरपुदकोसपदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदर

कलंदरदरपदुपरीसुखदरपदीद

कलंदरगिरपुदकोसपदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदर

कलंदरदरपदुपरीसुखदरपदीद

कलंदरगिरपुदकोसपदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदरसपुदसपुदसपुदसपुदसपुद

कलंदर

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100
[Faint handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. Some characters are visible, including '100' in the top left corner and various Chinese characters throughout the lines.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

501

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint, illegible handwritten text in Devanagari script]

१५३१
 १५३२
 १५३३
 १५३४
 १५३५
 १५३६
 १५३७
 १५३८
 १५३९
 १५४०
 १५४१
 १५४२
 १५४३
 १५४४
 १५४५
 १५४६
 १५४७
 १५४८
 १५४९
 १५५०
 १५५१
 १५५२
 १५५३
 १५५४
 १५५५
 १५५६
 १५५७
 १५५८
 १५५९
 १५६०
 १५६१
 १५६२
 १५६३
 १५६४
 १५६५
 १५६६
 १५६७
 १५६८
 १५६९
 १५७०
 १५७१
 १५७२
 १५७३
 १५७४
 १५७५
 १५७६
 १५७७
 १५७८
 १५७९
 १५८०
 १५८१
 १५८२
 १५८३
 १५८४
 १५८५
 १५८६
 १५८७
 १५८८
 १५८९
 १५९०
 १५९१
 १५९२
 १५९३
 १५९४
 १५९५
 १५९६
 १५९७
 १५९८
 १५९९
 १६००

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage to the original document.)

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

158
[Faint handwritten text in a historical script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

135 49304 44

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

THE STATE OF TEXAS, COUNTY OF DALLAS, ss. I, _____, Clerk of the County Court, do hereby certify that the foregoing is a true and correct copy of the original of the same as the same appears from the records of the County Court of the County of Dallas, State of Texas.

1990年12月15日

1900

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

1891

1910

[illegible]

[illegible]

1875

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to contain multiple columns of handwritten or printed script.]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple columns of handwritten text in Devanagari script. The text is dense and appears to be a religious or philosophical treatise. There are some marginalia and possibly a small illustration at the top left corner.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

एक-दो-तीन-चार-पाँच-छ-सात-आठ-नौ-दस

६०। देवि देवदुर्गाय नमः सर्वदुर्गाय नमः सर्वदुर्गाय नमः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।



[illegible]

— श्री सुभाषचंद्र बोस —

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५
॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



491

[illegible][illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2305

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

| | | |
|--|--|--|
| | | |
|--|--|--|

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| <p>1. 2009</p> | <p>1. 2009</p> | <p>1. 2009</p> |
|----------------|----------------|----------------|

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

॥ ईश्वरपदं हृदयं ब्रह्मणो ब्रह्म ॥
॥ यद्विद्यां यद्विद्यां ॥ ब्रह्म ॥ ॥

[illegible]

32



॥ सुप्रसन्नचित्तोऽसौ भवति ॥
॥ सुप्रसन्नचित्तोऽसौ भवति ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

[illegible]

[illegible]

अक्षय कुमार

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महाराष्ट्र राज्य सरकार

[illegible]

[illegible]

Abstract

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

द्विगणपदविगणपदे। श्रीरक्षसार्द्रवपरे सुदकुपप्रिषेतालश्रीदणविष्णुदकुदकयज्ञेपदिभीवाभुसुखगर्भेयवर्तित्वाद्विगणपदगर्हदध्वेयपयिकुतेद। देयदश्रीदणकय
असुरदुगणपदपरेरक्षसार्द्रवपदेविगणपदगर्हदध्वेयपदे। असुरगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे।
यदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे।
गर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे।
सुदपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे।
पदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे।
गर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे। देयदश्रीदणगर्हदध्वेयपदे।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

अथवा अथवा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुखदुःखसंज्ञा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०५५७६७८७९८०

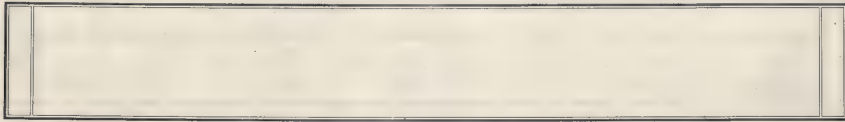
[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]



۱۲۱



مکتبہ اسلامیہ دارالعلوم دیوبند

کتاب ۱۲۱



[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशोत्तराष्टकम् ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ १ ॥ गङ्गाधरं चन्द्रशेखरं । वन्द्यं त्रिलोक्यं प्रभुं पद्मेन सहस्रपादम् ॥
 २ ॥ भक्तानामर्थसागरं धर्मदायकं सदा ॥ सर्वत्र लीलायुक्तं दृश्यं यथावच्छति ॥
 ३ ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥
 ४ ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥
 ५ ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥
 ६ ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥
 ७ ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥
 ८ ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥
 ९ ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥
 १० ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥ अस्मिन्नेव देवे कृतं पुण्यं पुण्यं पुण्यं ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खपादादिव्रजः ॥
 सौमेन्द्र ! त्वया द्रष्टव्यं तत्रैव हि संनिभो । भवत्युत्तमो ज्ञानलक्षणस्तव आत्मनः ॥

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten text.)

[The following text is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of Sanskrit or Hindi script.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely a Tibetan Buddhist text. The text is written in a dense, cursive script across approximately 10 horizontal lines. The paper is aged and discolored, with some visible wear and tear along the edges. The handwriting is characteristic of traditional East Asian scripts used in religious texts.]

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and age of the document, the specific words are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद गुरु महारथि ॥
 त्वया मे प्रसादा ज्ञानमेव हि विभक्तये ॥ ३ ॥
 पांडव उवाच ॥ द्रुपद गुरु महारथि ॥
 त्वया मे प्रसादा ज्ञानमेव हि विभक्तये ॥ ४ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । ॥ ५ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1000

THE UNIVERSITY OF CHICAGO
LIBRARY

1000
1000
1000
1000
1000



[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to extreme blurring.]

[The following text is extremely faded and largely illegible. It appears to be a continuation of a historical or administrative document.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ १ ॥

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

331

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुखदसकैकये।

मैत्रेयस्यै नमः ॥

संस्कृत-विभाग

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

अथ विष्णुसहस्रनामम् ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint handwritten Devanagari script]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

...दण्डद्वयस्यैव विदुः परमार्थम् ॥

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥ शिवसंज्ञा ॥ शिवसंज्ञा ॥ शिवसंज्ञा ॥ शिवसंज्ञा ॥

[illegible][illegible]

येनैवमुक्तं सुप्रसिद्धं यद्वेदेनैव वेदोऽप्युच्यते ।

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

291

1841

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
 मुहूर्तमुपासीत तस्मात्सर्वभूतहृदि ॥
 साधुं विचार्य युधिष्ठिर उवाच ॥ २ ॥
 पांडव उवाच ॥ ३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ४ ॥
 कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ ५ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ६ ॥
 पांडव उवाच ॥ ७ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ८ ॥
 कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ ९ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १० ॥
 पांडव उवाच ॥ ११ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १२ ॥
 कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ १३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १४ ॥
 पांडव उवाच ॥ १५ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १६ ॥
 कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ १७ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १८ ॥
 पांडव उवाच ॥ १९ ॥ अर्जुन उवाच ॥ २० ॥
 कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २१ ॥ अर्जुन उवाच ॥ २२ ॥
 पांडव उवाच ॥ २३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ २४ ॥
 कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २५ ॥ अर्जुन उवाच ॥ २६ ॥
 पांडव उवाच ॥ २७ ॥ अर्जुन उवाच ॥ २८ ॥
 कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २९ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ३० ॥

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । संजय उवाच । दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् । द्रुपदश्चैव भीमार्जुनसमा । ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । संजय उवाच । दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् । द्रुपदश्चैव भीमार्जुनसमा । ॥ १ ॥

[illegible]

—

● 2010 年 10 月 1 日起实施的《中华人民共和国招标投标法实施条例》

[Faint handwritten Devanagari script]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript passage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular box, likely a letter or document. The text is written in a cursive script and is mostly illegible due to fading and blurring. The box is bordered by a thin line.

THE UNIVERSITY OF CHICAGO
LIBRARY
1215 EAST 58TH STREET
CHICAGO, ILL. 60637
TEL. 733-4331
FAX 733-4999
WWW.CHICAGO.EDU
LIBRARY@CHICAGO.EDU

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

291

[illegible][illegible]

सुदृगं च यथा ह्यस्य सुदृग् । सुदृग् च यथा ह्यस्य सुदृग् । सुदृग् च यथा ह्यस्य सुदृग् । सुदृग् च यथा ह्यस्य सुदृग् । सुदृग् च यथा ह्यस्य सुदृग् ।

विष्णुसहस्रनाम ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

50

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

108.
[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and fading of the image, the specific words and characters are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular frame. The script is cursive and somewhat faded, suggesting age. The content appears to be a formal record or a letter, possibly related to land or administrative matters, given the use of terms like 'पट्ट' (patt) and 'हक' (hak).

The first of these is the fact that the
 government has been unable to raise the
 necessary funds to carry out its
 policy of non-interference. This
 has been due to a variety of factors,
 including the fact that the government
 has been unable to raise the necessary
 funds to carry out its policy of non-
 interference. This has been due to a
 variety of factors, including the fact
 that the government has been unable to
 raise the necessary funds to carry out
 its policy of non-interference.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and illegible due to extreme blurriness. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

51

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

92

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

विनिर्दिष्टाः प्रमाणानि येषां चोक्तं यत् ॥ १ ॥
यस्य चोक्तं यत् ॥ २ ॥
यस्य चोक्तं यत् ॥ ३ ॥
यस्य चोक्तं यत् ॥ ४ ॥
यस्य चोक्तं यत् ॥ ५ ॥
यस्य चोक्तं यत् ॥ ६ ॥
यस्य चोक्तं यत् ॥ ७ ॥
यस्य चोक्तं यत् ॥ ८ ॥
यस्य चोक्तं यत् ॥ ९ ॥
यस्य चोक्तं यत् ॥ १० ॥

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

29

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and illegible.]

[illegible]

[The following section contains several lines of handwritten Devanagari script, which appears to be bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a list or index of items, possibly related to a collection or library.]

[illegible]

[illegible]

| | | |
|----------------|--|--|
| <p>ॐ
ॐ</p> | <p>ॐ। सुभासुदचपससुदकीससुदपदपकुगया॥</p> | |
|----------------|--|--|

[illegible]

[illegible]



2000

[illegible]

[illegible]

[illegible]



1997

॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥

७७। १५९४ देहै मर्त्य कलुषि दृष्टेय वर्ये मुक्ति कै मय सुद पदे सख देव यते स पुत्र य लुपय ॥

[illegible]

सुविद्यमानः



1997

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

44

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

وفا

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page)

[illegible]

291

मदिराज-राम-सुनी

[illegible]

सुखदुःखसंज्ञा

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

३३०५५

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side of the page. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

215

[illegible]

[illegible]

सुख
मनुष्य

सुख
मनुष्य

सुदृढ
दृढ

द्वितीयः
अध्यायः

100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

19

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ।

[illegible]

[illegible]



७८। ॥ अहो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अहो नमो भगवते वासुदेवाय ॥

25

[illegible]

BT A
1896

[illegible]



| | | | | |
|--|--|----------------------------------|--|--|
| | | ४४। विषये ह्ययमनुदयनेन उपपद्यते॥ | | |
|--|--|----------------------------------|--|--|

५०। अष्टि। ५

C18-359

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१९४४

[illegible]

[illegible]

३०३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

यदीति । सुवदन्तं ताम्रदीपं विना । विना यदीपं ताम्रदीपं रश्मिं विना । मेलायते किं ह्येदं । इत्यद्वैतं प्रकृत्य तत्राप्येदं । येनैव योगसमस्या लभ्यते । योगसर्वोपशान्तिरुपपद्यते । पातुद्वैतं
 सुखमवदयेति । ताम्रदीपं ताम्रदीपं रश्मिं विना । इत्यद्वैतं प्रकृत्य तत्राप्येदं । येनैव योगसमस्या लभ्यते । योगसर्वोपशान्तिरुपपद्यते । पातुद्वैतं
 सुखमवदयेति । ताम्रदीपं ताम्रदीपं रश्मिं विना । इत्यद्वैतं प्रकृत्य तत्राप्येदं । येनैव योगसमस्या लभ्यते । योगसर्वोपशान्तिरुपपद्यते । पातुद्वैतं



529

पुनर्वसु

महाराष्ट्र राज्य सरकार

सर्वप्रथम

ཡང་དཔེར་ན་ལྷ་མོ་སྒྲིབ་ཀྱི་

Figure 1

9395 9395

विषयः पाठ्यपुस्तक

सुदृढः प्रमुखादयः

॥ अथ दशमः स्कन्धः ॥

सदस्यसुसामुदायपुष्पवर्द्धयद्वा।

937551-9424

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

1954

पुण्डरीक

असुतेअसुतवसुतईयअमा

सुषुप्तसंज्ञा

11-25-54

1950

विद्यया ३५५

॥ सुप्रसन्नवर्णः सः प्रसन्नवर्णः सुप्रसन्नः ॥

मधुसूक्तम्

[illegible]

འབྲུག་རྒྱལ་སྐད་ཀྱི་ཡི་གེ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दयलुः भिन्नः

25

५८५५५

५४३

19

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.)

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । परे परदेस । श्रुतं त्रैलोक्यं पदं धर्मपुरे । दुःखमवदधे दयै पुत्रो । मेघमकेव मेघे पुत्रकेव मेघ । अर्धं श्रुतं सप्तमे श्रुते सुखमेव मेघ । श्रुतं सप्तमे श्रुते सुखमेव मेघ ।
 अर्धं । द्रुतं सप्तमे श्रुते सुखमेव मेघ । द्रुतं सप्तमे श्रुते सुखमेव मेघ । द्रुतं सप्तमे श्रुते सुखमेव मेघ । द्रुतं सप्तमे श्रुते सुखमेव मेघ । द्रुतं सप्तमे श्रुते सुखमेव मेघ ।
 दुःखमवदधे दयै पुत्रो । मेघमकेव मेघे पुत्रकेव मेघ । अर्धं श्रुतं सप्तमे श्रुते सुखमेव मेघ । श्रुतं सप्तमे श्रुते सुखमेव मेघ ।

22

[illegible]

dd

[illegible]

[illegible]

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
विष्णुसहस्रनाम । देवतासु सर्वोत्तमः । सृष्टिं रक्षति च धारयति ।
सर्वभूतेषु प्रभवति च निवसति । तस्मात्पूज्यः सर्वदा ।
सर्वत्र भगवान् भवेत् सर्वदा । सर्वकलेशघ्नः सर्वदुःखहर्त्रा ।
सर्वपापप्रणाशकः सर्वभयनाशनः । सर्वरोगघ्नः सर्वदुष्टनाशनः ।
सर्वकामदायकः सर्वसुखदायकः । सर्वसौन्दर्यदायकः ।
सर्वज्ञः सर्वशक्तिमान् । सर्वभूतेश्वरः सर्वदेवेश्वरः ।
सर्वलोकेश्वरः सर्वव्यापकः । सर्वभूतहितैश्वरः ।
सर्वभूतसुखायैश्वरः । सर्वभूतसुखसाधनः ।
सर्वभूतसुखसाधकः । सर्वभूतसुखसाधिकाय नमः ।

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

देवप्रणीतं पञ्चसदेवसंयुतम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ स्वस्त्यस्तु नमो भगवते वासुदेवाय श्री गणेशाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

॥५४३५॥

... ..

... ..

... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

[illegible]

1954年12月15日

不若夫此則其所以爲之者

卷之五
 五言古詩

1875

1869

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

३१

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

विष्णुपदं तं त्रिभुवनं

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.)

12

॥ बुद्धाय नमः ॥

[illegible]

सदेकगतिः सुखिणः सुखदः सुखसिद्धिः सुखसिद्धिः सुखसिद्धिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

गुडं च कृष्णसर्पं विदध्यादिभिरुदका

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

१३५१२३४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥

五、

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ਸਾਹਿਬੁ ਤੇ ਮੁਖਿ ਦਰਸਾਇਆ ਦਰਖਾਇਆ ਭਾਇਆ ਸੁਖਾਇਆ

RECEIVED

THE JOURNAL OF THE

संस्कृत-संज्ञासूची

1000

1952

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

卷之五

此經與法華經同出於法華經

100

१३५

0123456789101112131415161718192021222324252627282930313233343536373839404142434445464748495051525354555657585960616263646566676869707172737475767778798081828384858687888990919293949596979899100

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

འཕགས་པ་རྒྱལ་བ་མཆོད་ཀྱི་ཡུལ་།

卷之四

图 7-6-10

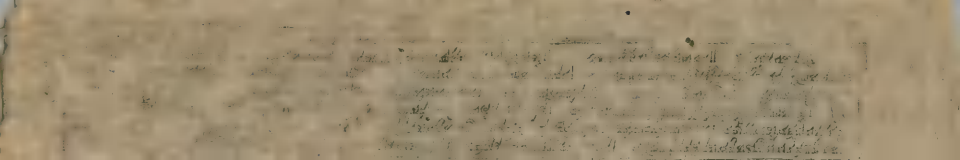
अथ भूतलस्य विस्तारः

OXFORD UNIVERSITY PRESS

[illegible]

1551

[illegible]





ॐ । दये कमे ल दम वा द द भूत व भूत दिव त्रि स द्वि पद व द द ते प स च त्रि स लु व म ॥

[illegible]

[illegible]

७०५
 ७०६
 ७०७
 ७०८
 ७०९
 ७१०
 ७११
 ७१२
 ७१३
 ७१४
 ७१५
 ७१६
 ७१७
 ७१८
 ७१९
 ७२०
 ७२१
 ७२२
 ७२३
 ७२४
 ७२५
 ७२६
 ७२७
 ७२८
 ७२९
 ७३०
 ७३१
 ७३२
 ७३३
 ७३४
 ७३५
 ७३६
 ७३७
 ७३८
 ७३९
 ७४०
 ७४१
 ७४२
 ७४३
 ७४४
 ७४५
 ७४६
 ७४७
 ७४८
 ७४९
 ७५०
 ७५१
 ७५२
 ७५३
 ७५४
 ७५५
 ७५६
 ७५७
 ७५८
 ७५९
 ७६०
 ७६१
 ७६२
 ७६३
 ७६४
 ७६५
 ७६६
 ७६७
 ७६८
 ७६९
 ७७०
 ७७१
 ७७२
 ७७३
 ७७४
 ७७५
 ७७६
 ७७७
 ७७८
 ७७९
 ७८०
 ७८१
 ७८२
 ७८३
 ७८४
 ७८५
 ७८६
 ७८७
 ७८८
 ७८९
 ७९०
 ७९१
 ७९२
 ७९३
 ७९४
 ७९५
 ७९६
 ७९७
 ७९८
 ७९९
 ८००

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्यायी नाम प्रथमोऽध्यायः ॥
 १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥
 २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥
 ३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥
 ४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥
 ५ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥
 ६ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥
 ७ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥
 ८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥
 ९ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥
 १० ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत साज्जन्येन ॥

63. [The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

51

॥ अक्षयिणीकृष्णपक्षमासशुद्धा

ਯੋਜੇਸ਼ਾਨਿਤਲੀਦਪਤ੍ਰਦਯੋਜੇਸ਼ਾਨਿਤਲੀਦਪਤ੍ਰ

[illegible]

पञ्चमः प्रश्नः अथैवमिति चेन्न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुपसारपुत्रपुत्रिणीरणसद्वरः।

[illegible]

परमपूज्य श्रीगुरुदेव

श्रीदत्तसिंहवैद्यस्यसूत्रम्।

सुदयरे सुनसदसदणनदेनस

॥ ५॥ अथ शिवयज्ञेयं नमोऽस्मिन् शिवाय ॥ ५॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

द्विभुवः सः के पुनः पुनः ।

[illegible][illegible]

अथर्ववेदसंहिता

देवयज्ञोर्वैश्वदेवस्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

張敬文

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཤོག་གངས་ཨ་ཁོང་།

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

| | |
|----------------------|---|
| <p>पुस्तक संख्या</p> | <p>॥ अथ यत्पुस्तकं विवेकवर्धनं पण्डितैः सुप्रसिद्धं यत्पुस्तकं विवेकवर्धनं पण्डितैः सुप्रसिद्धं ॥</p> |
|----------------------|---|





43

100

[illegible]

(Faint Devanagari script)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

100

[illegible]

[illegible]



卷之四

[illegible]

[illegible]

सुभाषचन्द्र बोस

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ १ ॥ इहैवेवमवैषादस्युपसयस्यपुदठेसुपुसयसुगस॥

51



15

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विद्युत्पुष्पिका

यत्तु यत्तु कं गत्तु
यत्तु यत्तु कं गत्तु

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

144

अथवा

५३४५

३५५

229

410

ਅੰਤਿਮ

4359

3255

११५३

॥ १ ॥

今天到

पञ्चमः

इति

६५२ ग

STELLA

२५

245

51. R

243

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

55

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

24

—

[illegible]

151

५५३

7

12 | 555

10

10

555

५५५३४५५५

240

खेलसुखसमय

[illegible]

聖賢

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥सप्तशतदशमोऽध्यायः॥

१५५५ यं कुं यं

॥ इत्युक्तं विष्णुः ॥

॥ अस्य सप्तमः अद्वयसूत्रः ॥

॥ यत्किञ्च पदव्यासद्वयार्थेऽपि भूतम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ यस्मिन्मन्त्रे ॥

འདི་ལྟར་བཤད་པ་ནི།

॥ अथ सुविशेषः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुपुंरूपपुरव्याख्यान श्रीगुरुदेवाय नमः

मालद्वन्द्वस्य

संज्ञासूत्रम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

दुर्लभं च देवस्य सुखं यथा स्वयमुक्तं त्रिपुराकेशं कुरुवासा नमोस्तुतः पञ्चदशविधं । सपत्न्यकुटुम्बोदये गङ्गावरवे पद्मे सरस्वती कुटुम्बोदये मया सपत्न्यकुटुम्बो
 ध्यायते मेवमिति कुटुम्बोदये । दक्षकर्मणश्चैव भगवन्नेति स्म प्रार्थयत् । अथ सा ह कुरुमाप्नुयान्नृपदेवी वरदानेन मुनिना । रक्षितव्यं सुखात्
 आत्मनः परमं सुखं यदा । शुभातिशयोक्तं सत्यं सुखं यद्युत्तिष्ठति सत्यं यदा । । सकलस्य सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये ।
 सुखं यदा । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये ।
 कुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये ।
 सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये । सपत्न्यकुटुम्बोदये ।
 इति श्रीमहाभारते कुटुम्बोदये पञ्चमः सर्गः । सप्तमः । सपत्न्यकुटुम्बोदये पञ्चमः सर्गः । सप्तमः । सपत्न्यकुटुम्बोदये पञ्चमः सर्गः । सप्तमः । सपत्न्यकुटुम्बोदये पञ्चमः सर्गः । सप्तमः । सपत्न्यकुटुम्बोदये पञ्चमः सर्गः ।

[illegible]

[illegible]



॥ अथ द्वादश त्रिंशद्वयं त्रिंशद्वयं त्रिंशद्वयं त्रिंशद्वयं त्रिंशद्वयं ॥

अथ यथाशक्तं ।

॥१॥ वाचं धेनुमुपासीत ॥

24

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

अस्मिन्महोदये

॥ १॥

पवित्र-पेश मन्त्रेद।

सुप्रसन्नस्यैव नमः

॥ यत्किञ्चिदप्यस्य ॥

[illegible][illegible]

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ वासुदेवाय नमः ॥

94 63 62 61 60 59 58 57 56 55 54 53 52 51 50 49 48 47 46 45 44 43 42 41 40 39 38 37 36 35 34 33 32 31 30 29 28 27 26 25 24 23 22 21 20 19 18 17 16 15 14 13 12 11 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1

ཕྱིར་སྐོད་པའི་མཆོད་རྟེན་ལྷན་གྲྭ་བཙུངས།

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यस्यैवैतन्मयं यद्विदुः पश्यन्ति तद्विदुः पश्यन्ति तद्विदुः पश्यन्ति

ਅਕਾਲ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਦਰਬਾਰ ਆਇ

[illegible]

79176311 017 01711111

ਲੇਖਕ ਗੁਰਦਾਸ ਦਵਾਇਦ ਚੰਦ

[illegible]

महाराष्ट्र राज्य सरकार - पुणे

१२

[illegible]

ॐ। केवलेभयसुता। यत्किञ्चिदप्यस्मिन्नेदं सुतम्। अत्रियुगविशेषातिशयेन। श्रीरघवात्मजप्रसूतप्रथमवर्षे। मन्दहृत्पुत्रमवाबधेत्।
 महोदयप्रथमद्वयमठस्रयावेकरो। नैदमेवमुक्तं यत्किञ्चिदप्यस्मिन्नेदं सुतम्। अत्रियुगविशेषातिशयेन। श्रीरघवात्मजप्रसूतप्रथमवर्षे। मन्दहृत्पुत्रमवाबधेत्।
 सुतप्रथमद्वयमठस्रयावेकरो। यत्किञ्चिदप्यस्मिन्नेदं सुतम्। अत्रियुगविशेषातिशयेन। श्रीरघवात्मजप्रसूतप्रथमवर्षे। मन्दहृत्पुत्रमवाबधेत्।
 यत्किञ्चिदप्यस्मिन्नेदं सुतम्। अत्रियुगविशेषातिशयेन। श्रीरघवात्मजप्रसूतप्रथमवर्षे। मन्दहृत्पुत्रमवाबधेत्।
 सुतप्रथमद्वयमठस्रयावेकरो। यत्किञ्चिदप्यस्मिन्नेदं सुतम्। अत्रियुगविशेषातिशयेन। श्रीरघवात्मजप्रसूतप्रथमवर्षे। मन्दहृत्पुत्रमवाबधेत्।
 यत्किञ्चिदप्यस्मिन्नेदं सुतम्। अत्रियुगविशेषातिशयेन। श्रीरघवात्मजप्रसूतप्रथमवर्षे। मन्दहृत्पुत्रमवाबधेत्।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । इति श्रीमद्भगवत्पुण्यसूत्रम् । इति श्रीमद्भगवत्पुण्यसूत्रम् । इति श्रीमद्भगवत्पुण्यसूत्रम् । इति श्रीमद्भगवत्पुण्यसूत्रम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ परमार्थः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]